ई थी। हादसा के प्रदीप व मोनी, बहरोड़ के मनोज, उ

खाड़ी देशों के प्रति मोदी की नकारात्मक नीति से गिरा बासमती चावल का निर्यात : सुर्जेवाला

बोले सुर्जेवाला : क्या खट्टर सरकार की जानकारी से हो रहा है करोड़ों रुपए का घोटाला?

सिरसा, 18 अक्तूबर (संजय अरोड़ा): अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुर्जेवाला ने कहा कि हरियाणा के किसानों से मंडियों में धान 1300 रुपए से 1400 रुपए प्रति क्विंटल खरीदी जा रही है मगर उन्हें फार्म.जे 1450 रुपए प्रति क्विंटल का दिया जा रहा है। इससे जहां किसानों को 150 रुपए प्रति क्विंटल कम दिया जा रहा है, वहीं करोड़ों रुपए का घोटाला हो रहा है।

आज यहां जारी एक बयान के तहत पूर्व मंत्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला ने कहा कि इस करोड़ों रुपए के घोटाले के लिए क्या हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर सरकार जिम्मेदार है? क्या यह उनकी जानकारी से हो रहा है? मुख्यमंत्री मनोहर लाल को खुद करनाल की मंडी में किसानों ने यह सच्चाई बताई मगर मुख्यमंत्री ने लीपापोती कर दी और जांच के आदेश दिए बगैर वहां से चले गए। जब से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की सरकार बनी है तब से किसान लगातार पिट रहे हैं। उन्हें फसल का न तो वाजिब दाम मिल रहा है और न ही खाद एवं बीज।

सुर्जेवाला ने कहा कि धान में 20 फीसदी नमी बताकर मंडियों में किसानों को ठगा जा रहा है। कोई बारिश नहीं हुई है तो धान में नमी कहां से आ गई? यह किसानों को सिर्फ परेशान करने वाला कदम है। कांग्रेस शासनकाल में धान की 1121 और 1509 किस्मों को बासमती धान घोषित करवाया गया था। कांग्रेस शासनकाल में धान की 1121 और 1509 किस्में 4500 रुपए प्रति क्विंटल बिकती रही है मगर इस साल 1200-1300 रुपए प्रति क्विंटल बिक रही है। सरकार ने धान की 1509 किस्म को न्यूनतम समर्थन मूल्य 1450 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का फैसला कर रखा है मगर मंडियों में किसानों से 1200.1300 रुपए प्रति क्विंटल खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि धान की मुच्छल और 1121 किस्मों का रेट भी बहुत कम मिल रहा है। किसानों की ऐसी दुर्गति भाजपा शासनकाल में हुई है।

रणदीप सिंह सुर्जेवाला ने केंद्र की भाजपा सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खाड़ी देशों के प्रति नकारात्मक नीति के कारण बासमती चावल का निर्यात गिरा है। इसलिए पिछले साल बासमती चावल 2200 रुपए प्रति क्विंटल बिका था जबकि कांग्रेस शासनकाल में 6500 रुपए प्रति क्विंटल बिकता रहा। अब बासमती चावल मंडियों में आने वाला है। खट्टर और मोदी सरकार की नीतियों को देखकर लग रहा है कि बासमती चावल इस साल भी पिटेगा और यह 1800 रुपए प्रति क्विंटल तक रहने वाला है। भाजपा की केंद्र और हरियाणा सरकार पूरी तरह किसानों के विरोध में है और उन्हें प्रताड़ित करने में लगी हुई है। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि इस समय गेहूं की बिजाई चरम पर चल रही है मगर किसानों को गेहूं का बीज नहीं मिल रहा है। इसका नजारा भी खुद मुख्यमंत्री ने करनाल में 17 अक्तूबर को देखा है। बीज के बिक्री केंद्रों पर किसानों की लंबी लाइनें लगी हुई हैं। पिछले साल खाद पुलिस थानों में बिका था और इस बार भी खाद की कमी अभी से महसूस होने लगी है।

अनुभवहीन

गुहला-चीक (गोयल): अच्छे दिखाकर सत्ता में सरकार ने बिजली बढ़ौतरी कर ज कगार पर खड़ा दिनों का सपन छिड़ककर दि संसदीय सचि अनाज मंडी दौरान लगाए ने अच्छे दि सत्ता हथि इसके उल प्रदेश में कमी क प्रणाली में धूल उन्होंने धरती उनकी प्रतिश

हिंदी